हे प्राणों के हो प्रीतम
तेरी अंगना करे पुकार,
पिया ले चलो पार के पार
1-मैं अंगना हूँ तुम मेरे स्वामी,
तेरी लीला किसी ने न जानी
जिस हाल में राखो पिया जी,
हमे हर पल है स्वीकार
हे प्राणों के हो....
2-है परमधाम जो न्यारा,
कब देखेंगी वो नजारा
है आस यही फरियाद यही,
बस ना करना इंकार
हे प्राणों के हो...
3-नित तेरा ही दर्शन पायें,
नित जमना जी में नहायें
यही अर्जी लेकर आयी है,
मिलता रहे तेरा प्यार
हे प्राणों के हो.....

Nijanand App